लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...दैनिक भास्कर...
दिनांक...20.3.2020... पृष्ठ सं....5... कॉलम...1-5...

एचएयू के वानिकी विभाग को उत्कृष्ट कार्यों के लिए आईसीएआर से मिला प्रशस्ति-पत्र

अवलोकन के बाद दो सदस्यीय समिति ने वानिकी विभाग की ओर से अनुसंधान फार्म पर किए उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की

भास्कर न्यूज | हिसार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा समस्त भारतवर्ष में संचालित अखिल भारतीय कृषि वानिकी समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत गठित समीक्षा समिति द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में स्थित वानिकी विभाग के अनुसंधान फार्म का भ्रमण दिनांक 3 व 4 मार्च को किया गया।

इस समिति के सदस्य, भूतपूर्व सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के डॉ. एके वशिष्ठ एवं केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी, उत्तर प्रदेश के प्रधान वैज्ञानिक एवं समीक्षा समिति के सचिव, डॉ. ऐके हाण्डा ने भ्रमण के दौरान विकसित कृषि वानिकी आधारित प्रणालियों एवं वानिकी विभाग द्वारा किसानों के लिए विकसित की गयी नई तकनीकियों का बारिकियों से अवलोकन किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् समीक्षा समिति द्वारा वानिकी विभाग के अनुसंधान क्षेत्र का अवलोकन करते हुए।

अवलोकन के बाद दो सदस्यीय समिति ने वानिकी विभाग द्वारा अनुसंधान फार्म पर किए गए उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके विश्वविद्यालय और वानिकी विभाग को पर्यावरण संरक्षण में व्यावहारिक रूप से योगदान के लिए बधाई दी। प्रो. सिंह विश्वविद्यालय कैंपस और कृषि विज्ञान केन्द्रों में हरियाली को जीवित रखने व इसको बढ़ावा देने के लिए हमेशा वैज्ञानिकों को प्रेरित करते हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा गठित समीक्षा समिति ने कुलपति प्रो. केपी सिंह को उनके द्वारा वानिकी विभाग में कार्यरत वैज्ञानिकों को दी गई सुविधाएं, सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए तह दिल से आभार व्यक्त किया। समीक्षा समिति के सदस्यों ने एचएयू के निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके. सहरावत से भी मुलाकात की ताकि उनके द्वारा वानिकी क्षेत्र में किये गए मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया जाए। वानिकी विभाग द्वारा कृषि वानिकी क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधानों से किसानों की आमदनी बढ़ाने एवं घटते हुए प्रदूषण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी।

इस समीक्षा समिति के दो दिन के भ्रमण के दौरान विभाग के अनुसंधान फार्म, वानिकी नर्सरी व विभाग का निरीक्षण किया। भारत वर्ष में केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के अंतर्गत विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के 39 केन्द्र कृषि वानिकी आधारित अनुसंधान पर कार्य कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त कृषि वानिकी प्रणालियों को अपनाने से हरियाणा प्रदेश के वनक्षेत्र को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी। इस परियोजना में मुख्य अनुवेशक, डॉ. आरएस ढिल्लो, डॉ. छवि सिरोही एवं डॉ. परविन्द्र कुमार व अन्य वैज्ञानिक मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक ट्रिब्यून.....
दिनांक...20.3.2020... पृष्ठ सं....6.... कॉलम....2-6....

आईसीएआर ने की अनुसंधान कार्यों की प्रशंसा

कृषि वानिकी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए हकृवि को प्रशस्ति पत्र

समीक्षा समिति ने किये जा रहे काम देखने के लिये किया था विश्वविद्यालय का दौरा

हिसार, 19 मार्च (निस)

कृषि वानिकी विभाग द्वारा कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रशस्ति पत्र दिया गया। आइसीएआर द्वारा गठित समीक्षा समिति द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में स्थित वानिकी विभाग के अनुसंधान फार्म का मार्च के प्रथम सप्ताह में 2 दिन का भ्रमण किया गया था और समिति सदस्यों ने कहा कि वानिकी विभाग द्वारा कृषि वानिकी क्षेत्र में किये जा रहे अनुसंधानों से किसानों की आमदनी बढ़ाने एवं घटते हुए प्रदूषण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी।

हिसार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् समीक्षा समिति के सदस्य वानिकी विभाग के अनुसंधान क्षेत्र का अवलोकन करते हुए। -निस

आईसीएआर समिति के सदस्य भूतपूर्व सहायक महानिदेशक डॉ. एके वशिष्ठ व केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी (उत्तर प्रदेश) के प्रधान वैज्ञानिक एवं समीक्षा समिति के सचिव डॉ. ऐके हांडा ने भ्रमण के दौरान विकसित विभिन्न कृषि वानिकी आधारित प्रणालियों एवं वानिकी विभाग द्वारा किसानों के लिए विकसित की गयी नई तकनीकियों का बारिकियों से अवलोकन किया। अवलोकन के बाद दो सदस्यीय समिति ने वानिकी विभाग द्वारा अनुसंधान फार्म पर किये गये उत्कृष्ट कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके विश्वविद्यालय और वानिकी विभाग को पर्यावरण संरक्षण में व्यावहारिक रूप से योगदान के लिए बधाई दी।

समिति सदस्यों ने कहा कि प्रो. सिंह विश्वविद्यालय कैंपस और कृषि विज्ञान केन्द्रों में हरियाली को जीवित रखने व इसको बढ़ावा देने के लिए हमेशा वैज्ञानिकों को प्रेरित करते हैं। समीक्षा समिति के सदस्यों ने हकृवि के निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत से भी मुलाकात की।

किसानों की आय बढ़ाने में होगा सहयोग

समिति सदस्यों ने कहा कि वानिकी विभाग द्वारा कृषि वानिकी क्षेत्र में किये जा रहे अनुसंधानों से किसानों की आमदनी बढ़ाने एवं घटते हुए प्रदूषण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी। इस समीक्षा समिति के दो दिन के भ्रमण के दौरान विभाग के अनुसंधान फार्म, वानिकी नर्सरी व विभाग का निरीक्षण किया।

कई विश्वविद्यालय कर रहे कार्य

यहां बताना होगा कि देश में केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के अन्तर्गत विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के 39 केन्द्र कृषि वानिकी आधारित अनुसंधान पर कार्य कर रहें हैं। इसके अतिरिक्त कृषि वानिकी प्रणालियों को अपनाने से हरियाणा प्रदेश के वन क्षेत्र को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण सफलता मिलने की संभावना बढ़ेगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....
दिनांक..20. 3. 2020.... पृष्ठ सं....6.... कॉलम....3-5....

वानिकी विभाग को मिला प्रशस्ति पत्र

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) नई दिल्ली की तरफ से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वानिकी विभाग को कृषि वानिकी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए आईसीएआर से प्रशस्ति पत्र मिला है। बता दें कि भारत वर्ष में केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के अंतर्गत विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के 39 केंद्र कृषि वानिकी आधारित अनुसंधान पर कार्य कर रहे हैं।

अनुसंधान क्षेत्र का अवलोकन करते कृषि अनुसंधान परिषद समीक्षा समिति के सदस्य।

इससे पहले आईसीएआर की टीम ने अखिल भारतीय कृषि वानिकी समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एचएयू के वानिकी विभाग के अनुसंधान फार्म का 3-4 मार्च को भ्रमण। इस दौरान भूतपूर्व सहायक महानिदेशक आईसीएआर के डॉ. एके वशिष्ठ, केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एके हांडा ने विकसित विभिन्न कृषि वानिकी आधारित प्रणालियों एवं वानिकी विभाग द्वारा किसानों के लिए विकसित की गयी नई तकनीकों का अवलोकन किया। अवलोकन के बाद टीम ने विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। प्रो. सिंह विवि कैंपस और कृषि विज्ञान केंद्रों में हरियाली को जीवित रखने व इसको बढ़ावा देने के लिए हमेशा वैज्ञानिकों को प्रेरित करते हैं। टीम ने विवि के निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत से भी मुलाकात की। टीम ने अपने दो दिन के भ्रमण के दौरान विभाग के अनुसंधान फार्म, वानिकी नर्सरी व विभाग का निरीक्षण किया। इस अवसर पर डॉ. आरएस ढिल्लो, डॉ. छवि सिरोही, डॉ. परविंद्र कुमार आदि भी मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......हरि भूमि......
दिनांक...20.3.2020... पृष्ठ सं....12.... कॉलम...3-6...

हकृवि के वानिकी विभाग को मिला प्रशस्ति पत्र

- 3-4 मार्च को किया गया था अनुसंधान फार्म का भ्रमण

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद समीक्षा समिति द्वारा वानिकी विभाग के अनुसंधान क्षेत्र का अवलोकन करते हुए। फोटो:हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा समस्त भारतवर्ष में संचालित अखिल भारतीय कृषि वानिकी समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत गठित समीक्षा समिति द्वारा हकृवि के कृषि महाविद्यालय में स्थित वानिकी विभाग के अनुसंधान फार्म का भ्रमण दिनांक 3-4 मार्च को किया गया। इस समिति के सदस्य, भूतपूर्व सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के डॉ. एके वशिष्ठ एवं केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी, उत्तर प्रदेश के प्रधान वैज्ञानिक एवं समीक्षा समिति के सचिव, डॉ. एके हांडा ने भ्रमण के दौरान विकसित विभिन्न कृषि वानिकी आधारित प्रणालियों एवं वानिकी विभाग द्वारा किसानों के लिए विकसित की गयी नई तकनीकियों का बारिकियों से अवलोकन किया। अवलोकन के बाद दो सदस्यीय समिति ने वानिकी विभाग द्वारा अनुसंधान फार्म पर किये गये उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की तथा हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके विश्वविद्यालय और वानिकी विभाग को पर्यावरण संरक्षण में व्यावहारिक रूप से योगदान के लिए बधाई दी। प्रो. सिंह विश्वविद्यालय कैंपस और कृषि विज्ञान केन्द्रों में हरियाली को जीवित रखने व इसको बढ़ावा देने के लिए हमेशा वैज्ञानिकों को प्रेरित करते हैं। इस समीक्षा समिति के दो दिन के भ्रमण के दौरान विभाग के अनुसंधान फार्म, वानिकी नर्सरी व विभाग का निरीक्षण किया। भारत वर्ष में केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के अन्तर्गत विभिन्न कृषि विवि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के 39 केन्द्र कृषि वानिकी आधारित अनुसंधान पर कार्य कर रहें हैं। वहीं कृषि वानिकी प्रणालियों को अपनाने से प्रदेश के वनक्षेत्र को बढ़ाने में भी सफलता मिलेगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........
दिनांक 20.3.2020 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 7.8

कृषि वानिकी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए आई.सी.ए.आर. से मिला प्रशस्ति पत्र

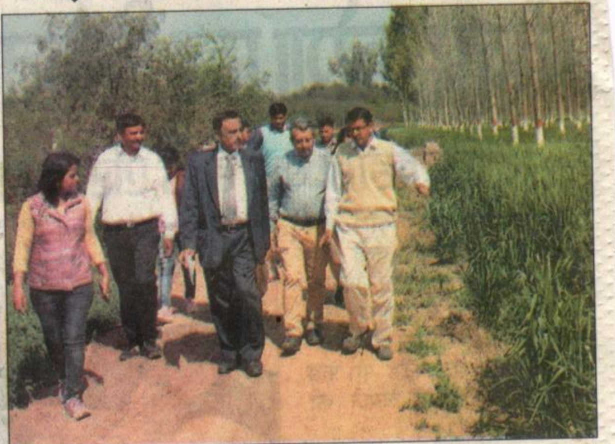

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद समीक्षा समिति द्वारा वानिकी विभाग के अनुसंधान क्षेत्र का अवलोकन करते हुए।

हिसार, 19 मार्च (ब्यूरो): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.), नई दिल्ली द्वारा समस्त भारतवर्ष में संचालित अखिल भारतीय कृषि वानिकी समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत गठित समीक्षा समिति द्वारा चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में स्थित वानिकी विभाग के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया गया।

इस समिति के सदस्य, भूतपूर्व सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के डा. ए.के. वशिष्ठ एवं केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी, उत्तर प्रदेश के प्रधान वैज्ञानिक एवं समीक्षा समिति के सचिव, डा. ए.के. हांडा ने भ्रमण के दौरान विकसित कृषि वानिकी आधारित प्रणालियों एवं वानिकी विभाग द्वारा किसानों के लिए विकसित की गई नई तकनीकियों का अवलोकन किया। अवलोकन के बाद 2 सदस्यीय समिति ने वानिकी विभाग द्वारा अनुसंधान फार्म पर किए गए उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की तथा चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......
दिनांक......20.3.2020...... पृष्ठ सं......5...... कॉलम......1......

एचएयू को मिला आइसीएआर से प्रशस्ति पत्र

हिसार: दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) द्वारा समस्त भारतवर्ष में संचालित अखिल भारतीय कृषि वानिकी समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत गठित समीक्षा समिति द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में स्थित वानिकी विभाग के अनुसंधान फार्म का भ्रमण दिनांक 3 व 4 मार्च को किया गया। इस समिति के सदस्य, आइसीएआर के भूतपूर्व सहायक महानिदेशक डॉ. एके वशिष्ठ एवं उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं समीक्षा समिति के सचिव डा. ऐके हांडा ने भ्रमण के दौरान विकसित विभिन्न कृषि वानिकी आधारित प्रणालियों एवं वानिकी विभाग द्वारा किसानों के लिए विकसित की गयी नई तकनीकियों का अवलोकन किया। (जासं)

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 19.3.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-8

हकृवि के वानिकी विभाग को कृषि वानिकी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए आईसीएआर से मिला प्रशस्ति पत्र

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर), नई दिल्ली द्वारा समस्त भारतवर्ष में संचालित अखिल भारतीय कृषि वानिकी समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत गठित समीक्षा समिति द्वारा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि महाविद्यालय में स्थित वानिकी विभाग के अनुसंधान फार्म का भ्रमण 3-4 मार्च को किया गया। इस समिति के सदस्य, भूतपूर्व सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के डॉ. एके वशिष्ठ एवं केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी, उत्तर प्रदेश के प्रधान वैज्ञानिक एवं समीक्षा समिति के सचिव, डॉ. ऐके हाण्डा ने भ्रमण के दौरान विकसित विभिन्न कृषि वानिकी आधारित प्रणालियों एवं वानिकी विभाग द्वारा किसानों के लिए विकसित की गई नई तकनीकियों का बारीकियों से अवलोकन किया।

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद समीक्षा समिति द्वारा वानिकी विभाग के अनुसंधान क्षेत्र का अवलोकन करते हुए।

अवलोकन के बाद दो सदस्यीय समिति ने वानिकी विभाग द्वारा अनुसंधान फार्म पर किए गए उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके विश्वविद्यालय और वानिकी विभाग को पर्यावरण संरक्षण में व्यावहारिक रूप से योगदान के लिए बधाई दी। प्रो. सिंह विश्वविद्यालय कैंपस और कृषि विज्ञान केन्द्रों में हरियाली को जीवित रखने व इसको बढ़ावा देने के लिए हमेशा वैज्ञानिकों को प्रेरित करते हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा गठित समीक्षा समिति ने कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को उनके द्वारा वानिकी विभाग में कार्यरत वैज्ञानिकों को दी गई सुविधाएं, सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए तह दिल से आभार व्यक्त किया। समीक्षा समिति के सदस्यों ने हकृवि के निदेशक अनुसंधान, डॉ. एस.के. सहरावत से भी गुजारिश की ताकि उनके द्वारा वानिकी क्षेत्र में किये गए मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया जाए। वानिकी विभाग द्वारा कृषि वानिकी क्षेत्र में किये जा रहे अनुसंधानों से किसानों की आमदनी बढ़ाने एवं घटते हुए प्रदूषण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी। इस समीक्षा समिति के दो दिन के भ्रमण के दौरान विभाग के अनुसंधान फार्म, वानिकी नर्सरी व विभाग का निरिक्षण किया। भारत वर्ष में केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी के अन्तर्गत विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के 39 केन्द्र कृषि वानिकी आधारित अनुसंधान पर कार्य कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त कृषि वानिकी प्रणालियों को अपनाने से हरियाणा प्रदेश के वनक्षेत्र को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी। इस परियोजना में मु य अनुवेशक, डॉ आर.एस ढिल्लो, डॉ. छवि सिरोही एवं डॉ. परविन्द्र कुमार व अन्य वैज्ञानिक कार्यरत है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....
दिनांक..20.3.2020.. पृष्ठ सं....3.... कॉलम....6....

एचएयू स्थित कार्यालय में सेनिटाइजर का छिड़काव करते हुए कर्मचारी। - अमर उजाला

एचएयू परिसर में चलाया सेनिटाइजेशन अभियान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में कोरोना वायरस से बचाव के लिए सेनिटाइजेशन अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक चौधरी की देखरेख में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न कार्यालयों को सोडियम हाइपो क्लोराइट एक प्रतिशत के स्प्रे द्वारा सेनिटाइज किया गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय स्थित सभी कार्यालयों को सेनिटाइज किया गया है।

विश्वविद्यालय परिसर में जहां पर लोगों का ज्यादा आवागमन रहता है, उन स्थानों पर यह अभियान दिन में दो बार चलाया जाएगा। विश्वविद्यालय के बाह्य संस्थानों में भी इस प्रकार का अभियान चलाया जाएगा।

वरिष्ठ चिकित्सक ने भी विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना वायरस से बचाव हेतु भारत व हरियाणा सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों का पालन करें। छींकते व खांसते हुए रुमाल का इस्तेमाल करें। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें और यथा संभव हो सके तो यात्रा करने से बचें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक: 20.3.2020 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 2-4

हकृवि में सेनेटाइजेशन अभियान

हिसार में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस से बचाव के लिए हकृवि के कार्यालयों को सेनेटाइज करते कर्मचारी। -निस

हिसार (निस) : कोरोना वायरस एहतियात के तौर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा सेनेटाइजेशन अभियान चलाकर सभी मुख्य कार्यालयों को सेनेटाइज किया गया। अभियान कैम्पस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक चौधरी की देखरेख में चलाया गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने आज विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने के उपरान्त बताया कि विश्वविद्यालय परिवार जिसमें शिक्षक, गैर-शिक्षक, उनके परिवार के सदस्य को कोरोना वायरस से बचाव के लिए अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय स्थित सभी कार्यालयों को सेनेटाइज किया गया है। विश्वविद्यालय परिसर में जहां पर लोगों का ज्यादा आवागमन रहता है, उन स्थानों पर यह अभियान दिन में दो बार चलाया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक...20.3.2020...... पृष्ठ सं......6...... कॉलम.....2:3.....

एचएयू में चलाया सेनिटाइज अभियान

हिसार| एचएयू के सभी कार्यालयों को सेनेटाइज के लिए छिड़काव करता कर्मी। एचएयू में कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक चौधरी की देखरेख में कार्यालयों को सोडियम हाइपो क्लोराइट 1 प्रतिशत के स्प्रे द्वारा सेनीटाइज किया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने पर बताया कि शिक्षक, गैर-शिक्षक, उनके परिवार के सदस्य को कोरोना वायरस से बचाव के लिए अभियान चलाया है। विश्वविद्यालय परिसर में जहां पर लोगों का ज्यादा आवागमन रहता है उन स्थानों पर यह अभियान दिन में दो बार चलाया जाएगा। इस अभियान में नरेंद्र सिंधु, फार्मासिस्ट और कैंपस अस्पताल के अन्य कर्मचारियों ने योगदान दिया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........वीर भूमि........
दिनांक..20. 3. 2020.. पृष्ठ सं......12...... कॉलम.....3-5....

हिसार। हकृवि में अभियान के तहत विश्वविद्यालय स्थित सभी कार्यालयों को सेनेटाइज का छिड़काव करते कर्मचारी।

हकृवि में कोरोना वायरस से बचाव के लिए सेनेटाइजेशन अभियान

हकृवि द्वारा कोरोना वायरस से बचाव हेतु सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कैम्पस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक चौधरी की देखरेख में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न कार्यालयों को सोडियम हाइपो क्लोराइट 1 प्रतिशत के स्प्रे द्वारा सेनीटाइज किया गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने आज विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने के उपरान्त बताया कि विश्वविद्यालय परिवार जिसमें शिक्षक, गैर-शिक्षक, उनके परिवार के सदस्य को कोरोना वायरस से बचाव हेतु यह अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय स्थित सभी कार्यालयों को सेनेटाइज किया गया है। विश्वविद्यालय परिसर में जहां पर लोगों का ज्यादा आवागमन रहता है उन स्थानों पर यह अभियान दिन में दो बार चलाया जाएगा। विश्वविद्यालय के बाह्य संस्थानों में भी इस प्रकार का अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में नरेन्द्र सिंधु, फार्मासिस्ट व कैंपस अस्पताल के अन्य कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक..20.3.2020.... पृष्ठ सं.....2..... कॉलम....4-5....

ह.कृ.वि. में चलाया सैनिटाइजेशन अभियान

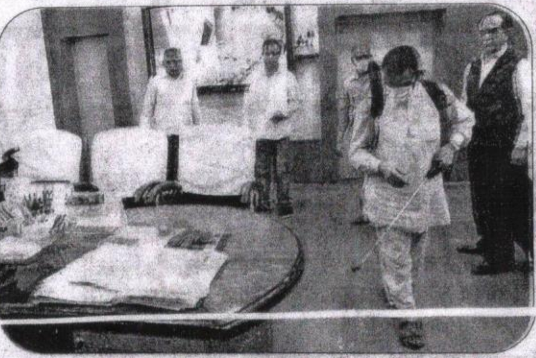

यूनिवर्सिटी के कार्यालय में सैनीटाइज करते कर्मी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को कोरोना वायरस से बचाव हेतु सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कैम्पस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डा. अशोक चौधरी की देखरेख में विश्वविद्यालय परिसर के कार्यालयों को सोडियम हाइपो क्लोराइट 1 प्रतिशत के स्प्रे द्वारा सैनिटाइज किया गया। वहीं कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। प्रवक्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में जहां पर लोगों का ज्यादा आवागमन रहता है, उन स्थानों पर यह अभियान दिन में 2 बार चलाया जाएगा। गौरतलब है कि इस विश्वविद्यालय में 21 देशों के विद्यार्थी भी पढ़ रहे हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........
दिनांक 19. 3. 2020 .... पृष्ठ सं.........2......... कॉलम......1-2......

कोरोना वायरस से बचाव के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चलाया सेनेटाइजेशन अभियान

हिसार। अभियान के तहत विश्वविद्यालय स्थित सभी कार्यालयों को सेनेटाइज का छिड़काव करते हुए।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को कोरोना वायरस से बचाव के लिए सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक चौधरी की देखरेख में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न कार्यालयों को सोडियम हाइपो क्लोराइट 1 प्रतिशत के स्प्रे द्वारा सेनेटाइज किया गया।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने आज विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने के उपरान्त बताया कि विश्वविद्यालय परिवार जिसमें शिक्षक, गैर-शिक्षक, उनके परिवार के सदस्य को कोरोना वायरस से बचाव के लिए यह अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय स्थित सभी कार्यालयों को सेनेटाइज किया गया है। विश्वविद्यालय परिसर में जहां पर लोगों का ज्यादा आवागमन रहता है उन स्थानों पर यह अभियान दिन में दो बार चलाया जाएगा। विश्वविद्यालय के बाह्य संस्थानों में भी इस प्रकार का अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य को कोरोना वायरस से बचाव के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि यदि किसी भी सदस्य को कोरोना वायरस के लक्षण : जैसे सुखी खांसी, बुखार, नाक बहना, सिर में दर्द इत्यादि प्रतीत हो तो तुरन्त चिकित्सक से परामर्श लें। वरिष्ठ चिकित्सक ने भी विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए भारत व हरियाणा सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों का पालन करें। छींकते व खांसते हुए रूमाल का इस्तेमाल करें। भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें तथा यथा संभव हो सके तो यात्रा करने से बचें। इस अभियान में नरेन्द्र सिन्धु, फार्मासिस्ट व कैंपस अस्पताल के अन्य कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: पंजाब केसरी
दिनांक: 20.3.2020 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 2-8

रहो सतर्क : कोरोना के कहर से जिले में लड़ने की तैयारी, हिदायतें हुईं जारीं

सरकारी दफ्तरों के बाहर नोटिस, फोन पर ही करें सम्पर्क

हिसार, 19 मार्च (ब्यूरो): कोविड-19 (कोरोना) वायरस को जारी अलर्ट के मद्देनजर कई सरकारी कार्यालयों के द्वार पर चेतावनी नोटिस लगा दिए गए हैं। इन नोटिसों में कोरोना से बचाव के तरीकों के साथ-साथ लोगों को हिदायतें दी जा रही हैं कि वे कार्यालय में आने की बजाय फोन पर सम्बंधित अधिकारी या कर्मचारी से सम्पर्क कर सकते हैं। बिजली निगम के बाद रैडक्रॉस, नगर निगम सहित कुछ अन्य सरकारी कार्यालयों की तरफ से ऐसे संदेश सोशल मीडिया पर डाले जा रहे हैं, साथ ही ऐसे नोटिस अलग-अलग कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर लगाए गए हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार सभी विभागों को कंटैंटमैंट प्लान इम्प्लीमैंट करने बारे दिशा-निर्देश जारी किए गए। एच.ए.यू. जी.जे.यू., जाट धर्मशाला हांसी तथा अग्रोहा धाम में कोरोना वायरस के मरीजों के कॉन्टैक्ट को रखने के लिए होम कोरनटाइन सुविधा बना दी गई है।

एच.ए.यू. में आम लोगों की एंट्री बैन

कोरोना वायरस को लेकर एच.ए.यू. ने अपने एरिया में आम लोगों की एंट्री को बंद कर दिया है। अब लोग अपने आई.डी. कार्ड व अन्य जरूरी कागजात दिखाकर ही एच.ए.यू. में ही एंट्री कर सकते हैं। एच.ए.यू. का सिर्फ एक नंबर ही गेट अब आगे से खुला रहेगा और इसी गेट से आम लोगों की एंट्री हो सकेगी बाकी गेट सुबह 8 से शाम 5 बजे तक ही खुलेंगे। इन्हीं गेट से सिर्फ एच.ए.यू. के कर्मचारी एंट्री कर सकेंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......
दिनांक...20.3.2020.... पृष्ठ सं.....1..... कॉलम.....2-8.....

कोरोना का डर : गलत अफवाह फैलते ही सब्जी मंडी में उमड़े लोग एचएयू-जीजेयू में लोगों की एंट्री बैन, सिविल व जिंदल अस्पताल में ओपीडी बंद

जागरण संवाददाता, हिसार : कोरोना वायरस को लेकर पूरे जिले में सतर्कता व्यापक स्तर पर पहुंच गई है। प्रशासन की ओर से लोगों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर एकत्रित होने से परहेज करने की बार-बार अपील की जा रही है। इसी बीच दोपहर बाद सब्जी मंडी को बंद करने की गलत अफवाह से पूरे जिले में मंडियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सब्जी खरीदने के लिए भारी भीड़ रात तक मंडी में जुटी रही। देखते ही देखते मंडियों से पूरी सब्जी व फल बिक गए। इसका फायदा सब्जी विक्रेताओं ने जमकर उठाया और दोगुने से तिगुने दामों तक सब्जी बेची। 5 मिनट में ही केले का रेट 40 रुपये से 60 रुपये हो गया। वहीं 25 रुपये में बिकने वाला प्याज 80 रुपये और 20 रुपये में बिकने वाला आलू 45 रुपये किलो बिक रहा था।

इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और अफवाहों पर काबू पाने के लिए डीसी डा. प्रियंका सोनी ने खुद एक वीडियो मैसेज जारी कर लोगों को अफवाहों से बचने की सलाह दी और कहा कि मंडी बंद के किसी प्रकार के आदेश नहीं दिए गए हैं। सब्जी मंडी सामान्य दिनों की अपेक्षा खुली रहेगी।

वहीं गुरुवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू), गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। इन विश्वविद्यालयों में कर्मचारी अपना आइडी कार्ड दिखाकर एक घंटे के भीतर दाखिल होंगे। इसके बाद इनके सभी गेट बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद शाम पांच से साढ़े पांच बजे आधे घंटे के लिए एक गेट खोला जाएगा। इसके अलावा भीड़ एकत्रित होने से रोकने के लिए सिविल व जिंदल अस्पताल ने अपनी ओपीडी बंद कर दी है। हालांकि सर्दी, जुकाम बुखार आदि सामान्य बीमारियों की जांच पहले की तरह होती रहेगी। वहीं इमरजेंसी सेवाएं भी बहाल रहेंगी।

कोरोना से बचाव के उपाय

- खुद की स्वच्छता पर ध्यान दें
- साबुन से लगातार हाथ धोते रहें
- छींकने और खांसने के दौरान अपना मुंह ढकें
- हाथ गंदे दिखें तब अपने हाथों को साबुन और बहते पानी से धोएं
- अल्कोहल आधारित हैंडवॉश या साबुन, पानी से साफ करें
- टिशु को किसी बंद डिब्बे में फेंक दें
- अस्वस्थ होने पर डाक्टर से मिलें ।

यह नहीं करना

- खांसी और बुखार हो तो किसी के संपर्क में न आएं
- सार्वजनिक स्थानों पर न थूकें
- कच्चे अधपके मांस के सेवन से बचें
- जानवरों के वध किये जाने वाले स्थल पर न जाएं

\- डा. सुभाष खटरेजा, नोडल अधिकारी

सिविल अस्पताल में ये रहेंगी ओपीडी बंद

स्कीन, आखों के आपरेशन, फिजियोथैरिपी, डेंटल, इवनिंग ओपीडी बंद रहेगी

ये ओपीडी खुली रहेंगी

इमरजेंसी सर्विस, ट्रामा यूनिट, स्त्री एवं प्रसुता विभाग एंड खांसी व जुकाम से संबंधित

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण

दिनांक: 20.3.2020 पृष्ठ सं: 3 कॉलम: 4-8

तीन निजी अस्पतालों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

जागरण संवाददाता, हिसार: शहर में निजी अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड बनाने का काम शुरू हो गया। बृहस्पतिवार को एसडीएम ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ तीन निजी अस्पताल में बनाए गए वार्ड का निरीक्षण किया। साथ ही किसी भी स्थिति में हर सुविधा उपलब्ध करवाने के आदेश दिए।

दूसरी तरफ मरीज के परिवार के लोगों को रखने के लिए चार जगह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू), गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू), जाट धर्मशाला हांसी और अग्रोहा धाम में होम क्वारेंटाइन बनाए दिए गए है। कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाने और स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए सिविल अस्पताल के अलावा निजी अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे है। एसडीएम ने सभी अस्पताल में सुविधा को देखा। इसमें वेंटिलेटर लेकर अन्य सभी प्रकार सुविधा मुहैया करवाई गई है।

अग्रोहा में बनाए गए होम क्वारेंटाइन में फोगिंग करता कर्मचारी • जागरण

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म हॉस्टल को बनाया गया होम क्वारेंटाइन • जागरण

गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी के फार्म हॉस्टल को बनाया गया होम क्वारेंटाइन • जागरण

होम क्वारेंटाइन बनाए

- एचएयू, जीजेयू, जाट धर्मशाला हांसी और अग्रोहा धाम में बनाया होम क्वारेंटाइन
- होम क्वारेंटाइन में रखे जाएंगे मरीजों के परिवार, खाने से लेकर जांच तक ही होगी सुविधा

हॉस्टल, फैकल्टी हाउस में होम क्वारेंटाइन

प्रशासन की तरफ से मरीजों के परिवार के रूकवाने के लिए विशेष प्रबंध किए है। चार जगह पर रूकने के प्रबंध करने के साथ उस पर स्टॉफ का रोस्टर बना दिया गया है। वहां पर डाक्टर, स्टॉफ के अलावा उनके रहने के साथ खाने पीने की व्यवस्था होगी। उन जगह पर पुलिस भी तैनात रहेगी। पुलिस का पहला होने के कारण कोई भी उस होम क्वारेंटाइन से बाहर नहीं जा पाएगा। जनता से मिलने उनको इजाजत नहीं होगी। वहीं उनको कहीं लाने ले जाने के लिए रोडवेज की

नोडल अधिकारी ने दी जानकारी

नोडल अधिकारी डा. सुभाष खटरेजा ने कोरोना वायरस संक्रमण से बचने के लिए रोडवेज परिसर में जनता को जागरूक किया। उनको पंपलेट बांटने के साथ कोरोना से बचने के तरीके भी बताए।